

रबी फसल में करे सरसो व तोरी की खेती, होगा मुनाफा

ख रीफ फसलों की कटाई के साथ ही किसान रबी माह को सरसों की खेती के लिए काफी उपयुक्त माना गया है। खाल्य तेल का सबसे अच्छा सरसों की खेती की खेती से बाजार में जुट गये हैं। ऐसे में अबद्वार सरसों की खेती की खेती के लिए काफी उपयुक्त माना गया है। हर साल सरकार द्वारा इसके न्यूट्रिटम सप्लाय मूल्य में बढ़ावदी किये जाने से बाजार में भी इसकी अच्छी कीमत मिल रही है। इस कारण बिहार सरकार द्वारा इसके लिए काफी लाभकारी है।

सरसों की उन्नत किस्में : सरसों की खेती का मध्यम होता है, ऐसे में किसान भारी हर साल बीज खरीदने की वजाय पिछले वर्ष बोये गये बीज की सफाई और योग्यता के उसमें से रोपायकृत और मरे बीजों को अलग कर उन बीजों का उपचारित कर बुवाई कर सकते हैं। अगर उन बीजों को सर्वाकृत हो तो बाजार से आर एच 30, टी 59 (वर्स्ट्राण), पूरा बोल्ड अशेवांद (आरएन-01 से 03), अरावली (आरएन-393), NRC HB 101, NRC DR 2.R.H-749 ऐसे उन्नत बीज खरीद कर बुवाई कर सकते हैं।

कैसे मिट्टी और जलवाया में करे सरसों की खेती : कृषि विशेषज्ञों की माने तो इसकी खेती सभी मिट्टी में की जा सकती है, लेकिन बल्यु दोमेट मिट्टी इसके लिए सर्वाधिक उपयुक्त माना गया है। सरसों की फसल हल्की शारीरिका को सहन कर सकती है, लेकिन मिट्टी अस्तीर्ण नहीं होनी चाहिए। सरसों की खेती शरद ऋतु में की जाती है, सरसों के अच्छे उत्पादन के लिए 15 से 25 सेल्सियस तापमान की आवश्यकता होती है।



रहता है। ऐसे में सरसों की बुवाई 05 अबद्वार से 25 अबद्वार तक कर देनी चाहिए। इसकी बुवाई करते हैं मैं हो तो दूरी 45 में, मौ. तथा पौधों से पौधे की दूरी 20 में, मौ. रखनी चाहिए। सिंचित क्षेत्र में बीज की गहराई 5 से 8 मी. तक रखा जा सकता है बुवाई के लिए युक्त क्षेत्र में 4 से 5 कि.ग्रा तथा सिंचित क्षेत्र में 3-4 कि. ग्रा बीज प्रति हेक्टेकर पर्याप्त है।

बुवाई पूर्व करे बीजोपचार : पौधे को सड़न रोग से बचाने के लिए बीज को बुवाई के पूर्व फूर्निशाक बाबरस्टीन वीटाइवेस, कैपटान, घिरम, प्रोवेक्स में से कोई एक 3 से 5 ग्राम देवा प्रति किलो बीज को उपचारित करें। साथ ही कीटों से बचाव ईमिडाक्लोरोपीड 70 डब्ल्यू. पी., 10 मिनिलीटर प्रति किलोग्राम बीजरत से उपचारित करें। कॉटनशक उपचार के बाद में एजेंटेक्टर तथा फॉम्यूरेस घोलक जीवायु खाद, दोनों की 5 ग्राम मात्रा से प्रति किलो बीज को उपचारित कर देने चाहिए।

कब करे सिंचाई : प्रथम सिंचाई बुवाई के 35 से 40 दिन बाद एवं द्वितीय सिंचाई दोने बने की अवस्था में करें।

कैसे करे खरपतवार उत्पादन : अमरत पर तापमान की साथ खरपतवार उत्पादन के लिए ग्राम प्रूफ बुवाई के लिए फॉर्मानशक बाबरस्टीन वीटाइवेस, कैपटान, घिरम, प्रोवेक्स में से कोई एक 3 से 5 ग्राम देवा प्रति किलो बुवाई के लिए हेक्टेकर की दर से बुवाई के समय खेत में डाले।

कब करे खरपतवार उत्पादन : अमरत पर तापमान की साथ खरपतवार उत्पादन के लिए ग्राम प्रूफ बुवाई के लिए फॉर्मानशक बाबरस्टीन वीटाइवेस, कैपटान, घिरम, प्रोवेक्स में से कोई एक 3 से 5 ग्राम देवा प्रति किलो बुवाई के लिए हेक्टेकर की दर से बुवाई के समय खेत में डाले।

कितना होगा उत्पादन : बैहरत जलवाया और फसल रोग, कीट एवं खरपतवार से मुक्त हो तो रहे सरसों का उत्पादन 25-30 विकेटल प्रति हेक्टेकर मिल सकता है।

पितृ पक्ष के दौरान पिंडदान करने के बाद नहीं मिल रहे कौवे और गाय, तो करें ये उपाय

पूर्ण करने में सफेद फूलों का उपयोग की वजह से बाद एवं गाय की गति बढ़ जाती है। ऐसे में श्राद्ध के दौरान चांदों के फूलों का उपयोग किया जा सकता है। इन दिनों पितृपक्ष चल रहा है जबकि पिंडदान, तर्पण और श्राद्ध कर्म किए जा रहे हैं। पूर्वजों के निधन की वज्र तिथि पर श्रद्धा कर पूर्वजों की आत्मा की शारीरिक कोशिश के लिए प्रार्थना की जा रही है। यह एक ऐसी अवश्यकता है, जो पितरों के साथ-साथ हमारे लिए भी बहुत जरूरी होती है। हिंदू शास्त्रों के मुताबिक पितृपक्ष में तर्पण से पितरों को मोक्ष मिलता है। साथ ही श्राद्ध, तर्पण और दान करने वाले साधक के पितु दोष से मुक्त मिल जाती है। पूर्वजों की आत्मा की शारीरिक कोशिश के लिए खाने से कर भाग भोग के



निकल जाते हैं। यह भोग कौवा, गौ, स्वान और कन्या के लिए होता है। हिंदू शास्त्रों के मुताबिक पितृपक्ष में तर्पण से पितरों को मोक्ष मिलता है। साथ ही श्राद्ध, तर्पण और दान करने वाले साधक के पितु दोष से मुक्त मिल जाती है।

पुराणों में कढ़ू के फूलों को श्राद्ध में उपयोग करने के लिए सबसे उपयुक्त बताया गया है लेकिन अब यह फूल मिलना काफी दुर्लभ हो गया है। ऐसे में श्राद्ध के दौरान चांदों के फूलों का विकल्प हो गया है। इसके लिए बीजों की खवाई और अन्य कीटों का प्रकोप अधिक हो तो, नियन्त्रण हेतु अनिम जुटाई के समय बूनालफॉस 1.5 प्रतिशत चूर्चा 25 किलोग्राम प्रति हेक्टेकर

पुराणों में कढ़ू के फूलों को श्राद्ध में उपयोग करने के लिए सबसे उपयुक्त बताया गया है लेकिन अब यह फूल मिलना काफी दुर्लभ हो गया है। ऐसे में श्राद्ध के दौरान चांदों के फूलों का विकल्प हो गया है। इसके लिए बीजों की खवाई और अन्य कीटों का प्रकोप अधिक हो तो, नियन्त्रण हेतु अनिम जुटाई के समय बूनालफॉस 1.5 प्रतिशत चूर्चा 25 किलोग्राम प्रति हेक्टेकर

का उपयोग किया जा सकता है। हालांकि शहरों में अब काफी कम दिखते हैं। कौवा को तलाशने के लिए काफी अधिक मशक्कत और मेहनत करनी पड़ती है। अगर किसी कारण से गए ना मिलती तो शाम तक वृक्ष के नीचे भोग को विसरण किया जा सकता है। अगर खोया जाता है तो लोग किसी भी पक्षी को उसका लिए भोजन का एक हिस्सा कौवा

को भी दिया जाता है। हालांकि शहरों में अब काफी कम दिखते हैं। कौवा को तलाशने के लिए काफी अधिक मशक्कत और मेहनत करनी पड़ती है। अगर कौवा की खवाई और अन्य कीटों का उपयोग किया जाता है तो लोग किसी भी पक्षी को उसका लिए भोजन का एक हिस्सा कौवा

♦ रितिका कमठान

ज्यादा नींबू लेना सेहत के लिए हो सकता है नुकसानदायक

नींबू या नींबू डाइजेशन के लिए अच्छा माना जाता है, लेकिन इसका अधिक सेवन करना डाइजेस्टिस सिस्टम के लिए परेशानी खड़ी कर सकता है। इसके लैवरसेटिव इंफेक्ट के कारण आपको डायरिया की शिकायत हो सकती है जो आपको नींबू का सेवन करना पड़ सकता है। नींबू को सेवन के लिए अच्छा माना जाता है। नींबू डाइजेशन के लिए अच्छा माना जाता है। नींबू का सेवन करना डाइजेस्टिस सिस्टम के लिए परेशानी खड़ी कर सकता है। इसके लैवरसेटिव इंफेक्ट के कारण आपको डायरिया की शिकायत हो सकती है जो आपको नींबू का सेवन करना पड़ सकता है। फिर अन्य डाइजेशन प्रॉब्लम्स का सामना करना पड़ सकता है। नींबू को सेवन के लिए अच्छा माना जाता है। नींबू डाइजेशन के लिए अच्छा माना जाता है। नींबू डाइजेशन के लिए अच्छा माना जाता है। नींबू का सेवन करना डाइजेस्टिस सिस्टम के लिए परेशानी खड़ी कर सकता है। इसके लैवरसेटिव इंफेक्ट के कारण आपको डायरिया की शिकायत हो सकती है जो आपको नींबू का सेवन करना पड़ सकता है। फिर अन्य डाइजेशन प्रॉब्लम्स का सामना करना पड़ सकता है। नींबू को सेवन के लिए अच्छा माना जाता है। नींबू डाइजेशन के लिए अच्छा माना जाता है। नींबू का सेवन करना डाइजेस्टिस सिस्टम के लिए परेशानी खड़ी कर सकता है। इसके लैवरसेटिव इंफेक्ट के कारण आपको डायरिया की शिकायत हो सकती है जो आपको नींबू का सेवन करना पड़ सकता है। फिर अन्य डाइजेशन प्रॉब्लम्स का सामना करना पड़ सकता है। नींबू को सेवन के लिए अच्छा माना जाता है। नींबू डाइजेशन के लिए अच्छा माना जाता है। नींबू का सेवन करना डाइजेस्टिस सिस्टम के लिए परेशानी खड़ी कर सकता है। इसके लैवरसेटिव इंफेक्ट के कारण आपको डायरिया की शिकायत हो सकती है जो आपको नींबू का सेवन करना पड़ सकता है। फिर अन्य डाइजेशन प्रॉब्लम्स का सामना करना पड़ सकता है। नींबू को सेवन के लिए अच्छा माना जाता है। नींबू डाइजेशन के लिए अच्छा माना जाता है। नींबू का सेवन करना डाइजेस्टिस सिस्टम के लिए परेशानी खड़ी कर सकता है। इसके लैवरसेटिव इंफेक्ट के कारण आपको डायरिया की शिकायत हो सकती है जो आपको नींबू का सेवन करना पड़ सकता है। फिर अन्य डाइजेशन प्रॉब्लम्स का सामना करना पड़ सकता है। नींबू को सेवन के लिए अच्छा माना जाता है। नींबू डाइजेशन के लिए अच्छा माना जाता है। नींबू का सेवन करना डाइजेस्टिस सिस्टम के लिए परेशानी खड़ी कर सकता है। इसके लैवरसेटिव इंफेक्ट के कारण आपको डायरिया की शिकायत हो सकती है जो आपको नींबू का सेवन करना पड़ सकता है। फिर अन्य डाइजेशन प्रॉब्लम्स का सामना करना पड़ सकता है। नींबू को सेवन के लिए अच्छा माना जाता है। नींबू डाइजेशन के लिए अच्छा माना जाता है। नींबू का सेवन करना डाइजेस्टिस सिस्टम के लिए परेशानी खड़ी कर सकता है। इसके लैवरसेटिव इंफेक्ट के कारण आपको डायरिया की शिकायत हो सकती है जो आपको नींबू का सेवन करना पड़ सकता है। फिर अन्य डाइजेशन प्रॉब्लम्स का सामना करना पड़ सकता है। नींबू को स



भारत ने अफगानिस्तान को आठ विकेट से हराया



रोहित का शतक, विराट का अर्धशतक

एजेंसी। नई दिल्ली टीम इंडिया ने क्रिकेट विश्व कप में जीत का क्रम जारी रखा है। ऑस्ट्रेलिया को 6 विकेट से हराने के बाद अब भारतीय टीम ने दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में अफगानिस्तान को भी 8 विकेट से धूम चटा था। अफगानिस्तान ने पहले खेलते हुए कपान शाहिदी के 80 रनों की मदद से 272 रन बनाए थे। जबकि मैं खेलने उत्तरी टीम इंडिया की ओर से रोहित शर्मा ने 131 रन की विकेट को जीत दिया था। इससे पहले अफगानिस्तान की शुरुआत खराब रही। जसप्रीत बुमराह ने 7 वें ओवर में अफगानिस्तान की राजदान (22) का विकेट किया। जादरान बुमराह की अंदर आई गेंद को समझ नहीं पाए और राहुल को कैच थमा बैठे। इसके बाद रहमानउल्लाह गुरबाज 28 गेंदों पर 21 रन बनाकर हार्दिक पांड्या का शिकार बन गए। तभी भारतीय गेंदबाज शार्दुल ठाकुर ने भी स्ट्राइक की। उन्होंने 22 गेंदों पर 16 रन बनाने वाले रहमत शाह को

पेलियन का रासा दिखा दिया। 63 रन पर तीन विकेट गिर जाने के बाद अफगानी मध्यमक्रम में कपान शाहिदी और उमरजाई ने मौजूदा संघर्षा और चौथे विकेट के लिए 121 रन की साझेदारी की। इस साझेदारी को पांड्या ने 34.2 ओवर में तोड़ते हुए अजमतुल्लाह उमरजाई (62) को बोल्ड किया। भारत जो कौचिंग सफलता कुलदीप यादव ने दिलाई जब 42.4 ओवर में उन्होंने शाहिदी को अपने जाल में फँसाते हुए एलबांडब्ल्यू किया। शाहिदी ने 88 गेंदों पर 8 चौकों और एक छक्के की मदद से 80 रन बनाए। बुमराह ने 16 गेंदों ओवर में अफगानिस्तान को दूसरी गेंद पर बुमराह ने नजबुल्लाह जादरान (2) को कोहली के हाथों कैच आउट करवाया और फिर मोहम्मद नबी (19) को छठी गेंद पर एलबांडब्ल्यू किया। बुमराह ने अपना चौथा और कुल 8वां विकेट लेते हुए राशिद खान (16) को शिकार बनाया और 48.1 ओवर में कुलदीप के हाथों कैच आउट हुए।

स्कोर बोर्ड

अफगानिस्तान	रन	बॉल	4	6
रहमानउल्लाह गुरबाज	21	28	3	1
इब्राहिम जदरान	22	28	4	0
रहमत शाह	16	22	3	0
हशमतउल्लाह शाहिदी	80	88	8	1
अजमतउल्लाह ओमरजाई	62	69	2	4
मोहम्मद नबी	19	27	1	0
नजीबउल्लाह जदरान	2	8	0	0
राशिद खान	11	12	1	1
मुजीब उर रहमान नाबाद	10	12	2	0
नवीन उल हक	9	8	1	0

अतिरिक्त : 15, क्रूल : 272/8 (50 ओवर)

विकेटपन : 1-32, 2-63, 3-63, 4-184, 5-

225, 6-229, 7-235, 8-261। डीआरएस

गेंदबाजी : जसप्रीत बुमराह 10-0-39-4,

मोहम्मद सिराज 9-0-76-0, हार्दिक पांड्या 7-

0-43-2, शार्दुल ठाकुर 6-0-31-1, कुलदीप

यादव 10-0-40-1, रवींद्र जडेजा 8-0-38-0

भारत

रन

बॉल

4

6

रोहित शर्मा 131 84 16 5

इशान किशन 47 47 5 2

विराट कोहली 55 56 6 0

ब्रेस्स अयरर 25 23 1 1

अतिरिक्त : 15, क्रूल : 273/2 (35 ओवर)

विकेटपन : 1-156, 2-205। डीआरएस

गेंदबाजी : फजलहक फारसी 6-0-50-0, मुजीब

उर रहमान 8-0-64-0, नवीन उल हक 5-0-31-

0, अजमतउल्लाह ओमरजाई 4-0-34-0, मोहम्मद

नबी 4-0-32-0, गशिद खान 8-0-57-2

रोहित शर्मा ने सर्वाधिक छक्के उड़ाने में गेल का रिकॉर्ड तोड़ा

अफगानिस्तान के खिलाफ यहां अरुण जेटली स्टेडियम में अतिरिक्त बल्लेबाजी का नजारा पेश करते हुए अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में सर्वाधिक छक्के उड़ाने में बेटर इंडीज के क्रिकेट गेल का रिकॉर्ड तोड़ा दिया। रोहित ने मात्र 30 मेंदों में सात चौके और दो छक्के उड़ाते हुए अपना अर्धशतक पूरा किया। रोहित ने नवीन उल हक पर तीसरा छक्का उड़ाने के साथ यह रिकॉर्ड अपने नाम किया। रोहित के अब 554 छक्के हो गए हैं और उन्होंने गेल का 553 छक्कों का रिकॉर्ड तोड़ा दिया है। अन्तर्राष्ट्रीय क्रिकेट में सर्वाधिक छक्के : 554 - रोहित शर्मा 553 - ब्रेस्स अयरर 476 - शार्दुल ठाकुर 398 - ब्रेस्स अयरर 383 - मार्टिन गुप्ति

वर्ल्ड कप 2023 पॉइंट्स टेबल

टीम	मैच	जीत	हार	एनआरआर	नेट प्लाइंट्स
न्यूजीलैंड	2	2	0	+1.958	4
पाकिस्तान	2	2	0	+0.927	4
अफगानिस्तान	2	0	2	-1.907	0
ऑस्ट्रेलिया	1	0	1	-0.883	0
बांगलादेश	2	1	1	-0.653	2
भारत	2	2	0	+1.500	4
साउथ अफ्रीका	1	1	0	+2.040	2
श्रीलंका	2	0	2	-1.161	0
नीदरलैंड्स	2	0	2	-1.800	0
इंग्लैंड	2	1	1	+0.553	2

हरभजन और बिपिन होंगे 37 वें राष्ट्रीय खेल के डिप्टी सीडीएम



नवीन मेल संवाददाता। रंगीन शारखंड ओलंपिक एसेसियन ने बुधवार को गोआ में आयोजित किये जाने वाले 37वें राष्ट्रीय खेल के लिए अपने दियुषी सीडीएम की घोषणा कर दी। बुधवार को इसकी जानकारी देते हुए शारखंड ओलंपिक एसेसियन के महानियन डॉ मधुकांत पाठक के बायां राज्यपाल राजीव रामनाथ और राजीव अमिताभ बच्चन को गोल्डन टिकट दिया। भारत बनाम पाकिस्तान मैच के लिए बहुत सारे वीआईपी लोगों के आने की उम्मीद है।

जापान मेल संवाददाता। रंगीन शारखंड ओलंपिक एसेसियन ने बुधवार को गोआ में आयोजित किये जाने वाले 37वें राष्ट्रीय खेल के लिए अपने दियुषी सीडीएम की घोषणा कर दी। बुधवार को इसकी जानकारी देते हुए शारखंड ओलंपिक एसेसियन के महानियन डॉ मधुकांत पाठक के बायां राज्यपाल राजीव रामनाथ और राजीव अमिताभ बच्चन को गोल्डन टिकट दिया। भारत बनाम पाकिस्तान मैच के सचिव बिपिन कुमार सिंह शारखंड दल के दिप्टी सीडी एम बनाये गए हैं।

उन्होंने बायां कि ये गेम्स गोआ के विभिन्न जगहों पर दिनांक 25 अक्टूबर से 9 नवंबर तक आयोजित होंगे। जापान विभाव है कि शिवेंद्र नाथ दुबे को आधिकारिक एसेसियन के सचिव बिपिन कुमार सिंह शारखंड दल के आने की उम्मीद है।

मुकाबले से पहले होगा भव्य समारोह



मुकाबले से पहले होगा भव्य समारोह

के भी इस भव्य अवसर पर लाइव प्रस्तुति देने की उम्मीद है। गैर हो कि भारत ने अपने विश्व कप अंतर्राष्ट्रीय खेल के लिए भारतीय महान शुरुआत अंसरखंडिया पर जीत के साथ की जावाही जारी की जावाही शुरुआत अंसरखंडिया पर जीत के साथ की जावाही जारी की जावाही शुरुआत अंसरखंडिया पर जीत के साथ बुधवार को इसकी जानकारी देते हुए शारखंड ओलंपिक एसेसियन के महानियन डॉ मधुकांत पाठक के बायां राज्यपाल राजीव रामनाथ और राजीव अमिताभ बच्चन को गोल्डन टिकट दिया। भारत बनाम पाकिस्तान मैच के सचिव बिपिन कुमार सिंह शारखंड दल के लिए बहुत सारे वीआईपी लोगों में जीत की उम्मीद है।

एजेंसी/नई दिल्ली टीम इंडिया के लिए एलबांडब्ल्यू के लिए भारतीय महान शुरुआत अंसरखंडिया पर जीत के साथ की जावाही जारी की जावाही शुर